श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन (SKPF) एवं WINCOMPETE- संयुक्त टेस्ट सीरीज - 2026

समय: 2:00 घण्टे | **| अधिकतम अंक: 300**

विषय: राजस्थान कला एवं संस्कृति (भाग-1)

टेस्ट संख्या: [03]

अभ्यर्थी का नाम: ________________________________

अनुक्रमांक (Roll No.): ________________________________

परीक्षा केंद्र ________________________________

हस्ताक्षर अभ्यर्थी: ________________________________

हस्ताक्षर वीक्षक: ________________________________

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल **100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न** हैं। प्रत्येक प्रश्न के **चार विकल्प (A, B, C, D,E)** दिए गए हैं।
2. प्रत्येक सही उत्तर के लिए **3 अंक** निर्धारित हैं।
3. **नकारात्मक अंकन (Negative Marking):** प्रत्येक गलत उत्तर के लिए **1 अंक** काटा जाएगा।
4. OMR उत्तर पत्रक में **पाँच विकल्प (A, B, C, D, E)**में एक का अंकन करना हैं। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो अनिवार्य रूप से **विकल्प 'E'** को अंकित करें।
5. यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न को हल नहीं करता है और विकल्प 'E' को भी अंकित नहीं करता है, तो उस प्रश्न के लिए भी **1/3 भाग (1 अंक) काटा जाएगा**। (नवीनतम RPSC नियम)
6. कच्चे कार्य (Rough work) के लिए स्थान इस पुस्तिका के अंत में दिया गया है।
7. अपने रोल नम्बर और अन्य विवरण केवल निर्धारित स्थान पर ही लिखें।

wincompete

टेस्ट 03 - राजस्थान कला एवं संस्कृति (भाग-1)

प्रश्न 1: यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल राजस्थान के किलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जून 2013 में कंबोडिया में आयोजित सम्मेलन में राजस्थान के 6 किलों को इस सूची में शामिल किया गया था।
2. इस सूची में शामिल गागरोन दुर्ग जल दुर्ग (औदक) श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है।
3. मेहरानगढ़ और लोहागढ़ दुर्ग को भी इसी चरण में विश्व धरोहर घोषित किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 2: शुक्रनीति के अनुसार दुर्गों के वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पारिख दुर्ग वह है जिसके चारों ओर गहरी खाई हो, जैसे भरतपुर का लोहागढ़।
2. एरण दुर्ग वह है जिसका मार्ग पत्थर, कांटों और गड्ढों से दुर्गम हो, जैसे रणथंभौर।
3. पारिघ दुर्ग वह है जो चारों ओर से सघन वन से घिरा हो, जैसे सिवाना का दुर्ग।

सत्य कथन/कथनों का चयन कीजिए:

A) केवल 1

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 3: कथन (A): अबुल फजल ने कुम्भलगढ़ दुर्ग के बारे में कहा है कि "यह दुर्ग इतनी बुलंदी पर स्थित है कि नीचे से ऊपर देखने पर सिर की पगड़ी गिर जाती है।" *

कारण (R): कुम्भलगढ़ दुर्ग की विशाल प्राचीर (36 किमी) को 'भारत की महान दीवार' कहा जाता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 4 (संशोधित): कथन: चित्तौड़गढ़ दुर्ग अपनी विशालता और सुरक्षात्मक घेराबंदी के बावजूद कृषि योग्य भूमि के कारण आत्मनिर्भरता का प्रतीक था।

निष्कर्ष 1: चित्तौड़गढ़ दुर्ग को 'लिविंग फोर्ट' कहा जाता है क्योंकि यहाँ आज भी आबादी निवास करती है।

निष्कर्ष 2: इस दुर्ग में स्थित 'कीर्ति स्तंभ' भगवान विष्णु को समर्पित है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 5 : दुर्गों और उनके स्मारकों/विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) विजय स्तंभ - भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोश (चित्तौड़गढ़)

B) 32 खंभों की छतरी - न्याय की छतरी (रणथंभौर)

C) झालीबाव बावड़ी - कटारगढ़ के भीतर (कुम्भलगढ़)

wincompete

D) कीर्ति स्तंभ - भगवान विष्णु को समर्पित (चित्तौड़गढ़)

प्रश्न 6 : दुर्ग स्थापत्य के सामरिक तत्वों के विश्लेषण के आधार पर **असंगत** विकल्प का चयन कीजिए:

A) मगरबी - दुर्ग की प्राचीर से पत्थर फेंकने वाला यंत्र।

B) पासीब - घेराबंदी के समय किले की दीवार तक पहुँचने के लिए बनाया गया ऊँचा चबूतरा।

C) बख्तरबंद - वह दुर्ग जो पहाड़ियों से घिरा होने के कारण दूर से दिखाई न दे।

D) मेसा का पठार - वह स्थान जहाँ कुम्भलगढ़ दुर्ग स्थित है।

प्रश्न 7 : मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) की स्थापत्य विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. इसकी नींव राव जोधा द्वारा 1459 में 'चिड़ियाटूँक' पहाड़ी पर रखी गई थी।
2. 'श्रृंगार चौकी' वह स्थान है जहाँ मारवाड़ के राजाओं का राजतिलक होता था।
3. इस दुर्ग को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में 2013 में शामिल किया गया था।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 8 (संशोधित): जैसलमेर के सोनारगढ़ दुर्ग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह दुर्ग बिना किसी चूने या सीमेंट के केवल पत्थरों को आपस में जोड़कर बनाया गया है।
2. दुर्ग में सर्वाधिक 99 बुर्ज हैं जो इसे विशिष्ट पहचान दिलाते हैं।
3. सोनारगढ़ दुर्ग को 'राजस्थान का खजुराहो' भी कहा जाता है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 9 : कथन (A): भरतपुर का लोहागढ़ दुर्ग 'मिट्टी के परकोटों' के कारण अभेद्य माना जाता था।

कारण (R): लोहागढ़ दुर्ग में 'अष्टधातु दरवाजा' जवाहर सिंह द्वारा रणथंभौर से लाया गया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 10 : कथन: सोनारगढ़ दुर्ग (जैसलमेर) की कोणीय स्थिति सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

निष्कर्ष 1: बुर्जों की अधिकता शत्रु सेना के कोणीय आक्रमण को विफल करने में सहायक थी।

निष्कर्ष 2: जैसलमेर दुर्ग का परकोटा 'कमरकोट' के नाम से जाना जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

C) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 11 : दुर्गों के मुख्य प्रवेश द्वारों और उनसे संबंधित दुर्गों का कौन सा युग्म **असंगत** है? *

A) अक्षय प्रोल - जैसलमेर दुर्ग

B) सूरज प्रोल - मेहरानगढ़ दुर्ग

C) लोहा प्रोल - लोहागढ़ दुर्ग

D) पाडन पोल - चित्तौड़गढ़ दुर्ग

wincompete

प्रश्न 12 : दुर्गों में उन्नत जल प्रबंधन प्रणाली के विश्लेषण के आधार पर कौन सा कथन **असंगत** है?

A) रानीसर और पद्मसर तालाब मेहरानगढ़ दुर्ग में जल आपूर्ति के मुख्य स्रोत थे।

B) सुजान गंगा नहर के माध्यम से मोती झील का पानी लोहागढ़ दुर्ग की खाई में लाया जाता था।

C) रहट पद्धति का उपयोग जैसलमेर दुर्ग के ऊँचे बुर्जों तक पानी पहुँचाने के लिए किया जाता था।

D) जयगढ़ दुर्ग में वर्षा जल के संचयन के लिए विशाल भूमिगत टांके निर्मित हैं।

प्रश्न 13 (संशोधित): राजस्थान की मंदिर स्थापत्य शैलियों के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. नागर शैली उत्तर भारत की प्रमुख शैली है जिसकी मुख्य विशेषता गर्भगृह और शिखर हैं।
2. महा-मारू शैली का विकास मुख्य रूप से गुर्जर-प्रतिहार शासकों के काल में हुआ था।
3. भूमिज शैली नागर शैली की ही एक उप-शैली है जिसका उदाहरण किराडू का सोमेश्वर मंदिर है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 14 : देलवाड़ा के जैन मंदिर (माउंट आबू) समूह के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. विमल वसही मंदिर प्रथम जैन तीर्थंकर आदिनाथ को समर्पित है।
2. लूण वसही मंदिर में 'देवरानी-जेठानी के आले' स्थित हैं।
3. यहाँ स्थित पित्तलहर मंदिर में भगवान महावीर की पीतल की 108 मन भारी मूर्ति है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 15 : कथन (A): बाड़मेर के किराडू मंदिर समूह को 'राजस्थान का खजुराहो' कहा जाता है। *

कारण (R): किराडू मंदिर मुख्य रूप से पंचायतन शैली के उत्कृष्ट उदाहरण माने जाते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 16 : कथन: राजस्थान के मंदिर स्थापत्य में 10वीं शताब्दी के बाद **'अति-अलंकरण' (Horror Vacui)** की प्रवृत्ति बढ़ गई थी। *

निष्कर्ष 1: 10वीं शताब्दी के बाद की मारू-गुर्जर शैली में पत्थर की मूल संरचना नक्काशी के नीचे छिप गई।

निष्कर्ष 2: इस परिवर्तन का मुख्य कारण मंदिरों को केवल सामरिक किलेबंदी के रूप में उपयोग करना था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

wincompete

प्रश्न 17 (यथावत): मंदिरों और उनकी विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) रणकपुर जैन मंदिर - खंभों का अजायबघर (1444 खंभे)

B) ओसियाँ का सूर्य मंदिर - राजस्थान का कोणार्क

C) जगदीश मंदिर (उदयपुर) - सपनों में बना मंदिर

D) सास-बहू का मंदिर (नागदा) - भगवान शिव को समर्पित

प्रश्न 18 : स्थापत्य शैलियों और उनके प्रतिनिधि मंदिरों के विश्लेषण के आधार पर **असंगत** युग्म का चयन कीजिए: *

A) महा-मारू शैली - सच्चिया माता मंदिर, ओसियाँ

B) पंचायतन शैली - हरिहर मंदिर, ओसियाँ

C) भूमिज शैली - सोमेश्वर मंदिर, किराडू

D) मारू-गुर्जर शैली - विमल वसही, देलवाड़ा

प्रश्न 19 : जयपुर के हवा महल के स्थापत्य के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. इसका निर्माण 1799 ई. में सवाई प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया था।
2. यह पाँच मंजिला भवन है जिसकी आकृति भगवान कृष्ण के मुकुट के समान है।
3. इसमें 953 झरोखे और 1444 खिड़कियाँ हैं।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 20 : सिटी पैलेस (जयपुर एवं उदयपुर) के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. जयपुर सिटी पैलेस के 'प्रीतम निवास चौक' में चार ऋतुओं को समर्पित चार कलात्मक प्रवेश द्वार हैं।
2. उदयपुर के सिटी पैलेस को फर्ग्यूसन ने 'राजस्थान का विंडसर' कहा था।
3. जयपुर के सिटी पैलेस में स्थित चन्द्र महल 5 मंजिला है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

प्रश्न 21 : कथन (A): 18वीं सदी के अंत तक राजस्थान के महलों में 'इण्डो-सारसेनिक' स्थापत्य शैली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। *

कारण (R): मुगलों और राजपूतों के मध्य हुई 1818 की संधियों ने इस शैली को जन्म दिया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 22 : कथन: डीग के जल महलों (भरतपुर) का निर्माण सौंदर्यशास्त्र के उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण है। *

निष्कर्ष 1: डीग के महलों में कृत्रिम वर्षा और फव्वारों के लिए उन्नत इंजीनियरिंग प्रणालियों का उपयोग किया गया था।

निष्कर्ष 2: इन महलों का निर्माण महाराजा जवाहर सिंह ने रणथंभौर विजय की स्मृति में करवाया था।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 23 : राजस्थान की प्रसिद्ध छतरियों और उनके खंभों की संख्या के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) मूसी महारानी की छतरी - 80 खंभे (अलवर)

B) 84 खंभों की छतरी - बूंदी

C) गेटोर की छतरियाँ - कछवाहा शासकों का शाही श्मशान (जयपुर)

wincompete

D) ईश्वरी सिंह की छतरी - गेटोर की छतरियों के मध्य स्थित

प्रश्न 24 : महल स्थापत्य की विशिष्टताओं के आधार पर **असंगत** विकल्प का चयन कीजिए: *

A) उम्मेद भवन पैलेस - छीतर पैलेस (जोधपुर)

B) मुबारक महल - जयपुर (राजपूत, मुगल और यूरोपीय शैली का संगम)

C) जग मंदिर - पिछोला झील के मध्य (उदयपुर)

D) बादल महल - कुम्भलगढ़ का सबसे नीचा भाग जहाँ आम जनता निवास करती थी।

प्रश्न 25 : राजस्थान की जल संरचनाओं के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. आभानेरी की चाँद बावड़ी 13 मंजिला गहरी है।
2. रानीजी की बावड़ी (बूंदी) का निर्माण रानी लाड कंवर नाथवती ने करवाया था।
3. राजसमंद झील के उत्तरी पाल को 'नौ चौकी' कहा जाता है जहाँ संसार का सबसे बड़ा शिलालेख उत्कीर्ण है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 26 : राजस्थानी चित्रकला के उद्भव और वैज्ञानिक वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. आनंद कुमार स्वामी ने 1916 ई. में 'राजपूत पेंटिंग्स' नामक पुस्तक में राजस्थानी चित्रकला का प्रथम वैज्ञानिक विभाजन किया।
2. रामकृष्ण दास ने इस कला को 'राजस्थानी शैली' नाम देने का सुझाव दिया था।
3. राजस्थानी चित्रकला का स्वर्ण काल 15वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल को माना जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 27 : कथन (A): मेवाड़ शैली को राजस्थानी चित्रकला की 'जननी' शैली माना जाता है। -

कारण (R): मेवाड़ के प्रसिद्ध चित्रकार साहिबदीन ने महाराणा प्रताप के काल में 'चावण्ड रागमाला' का चित्रण किया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 28 : कथन: मेवाड़ शैली के चित्रों में प्रकृति चित्रण और रंग योजना विशिष्ट सांस्कृतिक प्रतीकों को दर्शाती है। *

निष्कर्ष 1: इस शैली में कदम्ब के वृक्ष और हाथियों का अंकन प्रधानता से किया गया है।

निष्कर्ष 2: इस शैली के प्रमुख रंगों में नीले और सुनहरे रंगों का प्रयोग इसे मुगल शैली के समान बनाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

wincompete

प्रश्न 29 : मेवाड़ स्कूल और उसके चित्रकारों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) साहिबदीन - रागमाला (1628 ई.)

B) मनोहर - रामायण का चित्रण

C) नसीरुद्दीन - सुपासनाह चरियं का चित्रण

D) जगन्नाथ - बिहारी सतसई का चित्रण

प्रश्न 30 : नाथद्वारा चित्रकला शैली की विशिष्टताओं के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

1. यह शैली वल्लभ संप्रदाय (पुष्टि मार्ग) से प्रभावित है।
2. 'पिछवाई' कला में केले के वृक्ष और गायों का अंकन अनिवार्य रूप से मिलता है।
3. यहाँ की प्रसिद्ध महिला चित्रकार साहिबा और उष्णा रही हैं।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं *

B) केवल 1 और 3

C) केवल 1 और 2

D) केवल 2 और 3

प्रश्न 31 : कथन (A): मारवाड़ (जोधपुर) शैली में महाराजा मानसिंह का काल 'स्वर्ण युग' माना जाता है। *

कारण (R): मानसिंह के शासनकाल में चित्रों पर नाथ संप्रदाय और 'ढोला-मारू' जैसे प्रेम-आख्यानों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 32 : कथन: बीकानेर चित्रकला शैली राजस्थानी चित्रकला की अन्य शैलियों से अपनी तकनीकी परंपरा के कारण भिन्न है।

निष्कर्ष 1: बीकानेर के चित्रकार अपने चित्रों के नीचे अपना नाम और तिथि अंकित करने की अनूठी परंपरा का पालन करते थे।

निष्कर्ष 2: 'मथेरणा कला' केवल मुगल दरबार के विलासिता पूर्ण दृश्यों के चित्रण तक ही सीमित थी।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 33 : चित्रकला शैलियों और उनके प्रधान रंगों/वृक्षों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) नाथद्वारा शैली - पीला और हरा रंग (केला)

B) जोधपुर शैली - पीला रंग (आम)

C) बीकानेर शैली - बैंगनी और मटमैला रंग (खजूर)

D) उदयपुर शैली - नीला और सफेद रंग (पीपल)

प्रश्न 34 : किशनगढ़ चित्रकला शैली के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. राजा सावंत सिंह (नागरीदास) का काल इस शैली का चरम उत्कर्ष काल माना जाता है।
2. एरिक डिकिंसन ने 'बणी-ठणी' चित्र को 'भारत की मोनालिसा' की उपाधि दी थी।
3. इस शैली में नारी के नेत्रों को 'खंजन पक्षी' के समान चित्रित किया गया है।

A) केवल 1 और 3

B) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

C) केवल 1 और 2

D) केवल 2 और 3

प्रश्न 35 : कथन (A): किशनगढ़ शैली की नारी-आकृति योजना राजस्थानी चित्रकला के सौंदर्यशास्त्र का शिखर है।

कारण (R): किशनगढ़ शैली के चित्रकारों ने केवल दरबारी भव्यता को महत्व दिया और धार्मिक विषयों को पूरी तरह त्याग दिया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

wincompete

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 36 : कथन: हाड़ौती स्कूल की बूंदी शैली को 'पशु-पक्षियों की चित्रशैली' कहा जाता है। *

निष्कर्ष 1: बूंदी शैली में सघन वन और वर्षा में नाचते मोर का अंकन विश्व प्रसिद्ध है।

निष्कर्ष 2: बूंदी दुर्ग की 'चित्रशाला' को 'भीति चित्रों का स्वर्ग' कहा जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 37 : कोटा शैली की चित्रकला के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) स्वर्ण काल - महाराव उम्मेद सिंह का शासनकाल।

B) प्रमुख विषय - सघन वन में शिकार के दृश्य।

C) विशिष्टता - रानियों को केवल अंतःपुर में श्रृंगार करते हुए दिखाया गया है।

D) मुख्य चित्रकार - डालू, लक्षीराम और रघुनाथ।

प्रश्न 38 : जयपुर (ढूँढाड़) शैली की विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. सवाई प्रताप सिंह का काल जयपुर शैली का स्वर्ण युग है।
2. चित्रकार साहिबराम ने महाराजा ईश्वरी सिंह का प्रथम 'आदमकद चित्र' बनाया था।
3. जयपुर शैली पर मुगल प्रभाव अन्य राजस्थानी शैलियों की तुलना में सबसे कम दिखाई देता है।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 39 : कथन (A): अलवर चित्रकला शैली में गणिकाओं (वेश्याओं) के चित्रों की प्रचुरता मिलती है। *

कारण (R): अलवर शैली पर मुगल, जयपुर और अंग्रेजी (ब्रिटिश) शैलियों का मिला-जुला प्रभाव था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 40 : कथन: शेखावाटी के भीति चित्रों को 'विश्व की सबसे बड़ी ओपन आर्ट गैलरी' कहा जाता है। *

निष्कर्ष 1: इन चित्रों में पौराणिक विषयों के साथ-साथ रेलगाड़ी, मोटर कार और ग्रामोफोन जैसे आधुनिक तत्वों का समावेश है।

निष्कर्ष 2: 'आरायश' पद्धति (Fresco-Buno) का प्रयोग गीली दीवार पर चित्रण हेतु किया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

C) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 41 : ढूँढाड़ स्कूल और उससे संबंधित निम्नलिखित तथ्यों में से कौन सा **असंगत** है? *

A) साहिबराम - आदमकद चित्रों के प्रणेता।

B) मूलचंद - हाथी दांत पर चित्रण करने वाले अलवर के कलाकार।

C) लालचंद - केवल शांत प्रकृति के दृश्य चित्रित करने वाले जयपुर के कलाकार।

wincompete

D) बसलो - अलवर शैली में चित्रों के बॉर्डर पर किया जाने वाला अलंकरण।

प्रश्न 42 **:** चित्रकला की विशिष्ट पद्धतियों के विश्लेषण के आधार पर असंगत विकल्प का चयन कीजिए: *

A) आला-गीला पद्धति - इसे 'फ्रेस्को बुनो' या 'पणो' भी कहा जाता है।

B) जयपुर शैली - हाशिए (Borders) में गहरे लाल रंग का प्रयोग।

C) आमेर शैली - प्राकृतिक रंगों का प्रयोग और 'रज्मनामा' का चित्रण।

D) उदयपुर शैली - चित्रों में केवल छाया-प्रकाश (Shading) का अत्यधिक प्रयोग।

प्रश्न 43 : कथन (A): जैसलमेर चित्रकला शैली राजस्थान की एकमात्र ऐसी शैली है जिस पर मुगल या बाहरी प्रभाव शून्य रहा है।

कारण (R): जैसलमेर की राजकुमारी 'मूमल' का चित्रण इस शैली की प्रमुख पहचान और आधार है। *

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 44 : कथन: देवगढ़ शैली मेवाड़ स्कूल की एक महत्वपूर्ण उप-शैली है। *

निष्कर्ष 1: इस शैली में मेवाड़, मारवाड़ और ढूँढाड़ तीनों स्कूलों का मिश्रण मिलता है।

निष्कर्ष 2: डॉ. श्रीधर अंधारे को इस शैली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाश में लाने का श्रेय दिया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 45 : चित्रकला शैलियों और उनके सहायक केंद्रों (Schools) के युग्मों में कौन सा **असंगत** है? *

A) उनियारा शैली - मेवाड़ स्कूल

B) शेखावाटी शैली - ढूँढाड़ स्कूल

C) चावण्ड शैली - मेवाड़ स्कूल

D) नागौर शैली - मारवाड़ स्कूल

प्रश्न 46 : आधुनिक राजस्थानी चित्रकला और प्रमुख कलाकारों के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

1. कुंदन लाल मिस्त्री को आधुनिक राजस्थानी चित्रकला का प्रणेता माना जाता है।
2. परमानंद चोयल को 'भैंसों का चितेरा' और सौभाग्यमल गहलोत को 'नीड़ का चितेरा' कहा जाता है।
3. गोवर्धन लाल जोशी 'बाबा' ने केवल जयपुर की दरबारी संस्कृति का चित्रण किया है।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 1 और 3

C) केवल 1 and 2

D) केवल 2 और 3

प्रश्न 47 : कथन (A): सौभाग्यमल गहलोत ने पक्षियों के घोंसलों (नीड़) का सूक्ष्म अध्ययन कर उनका सजीव चित्रण किया। *

कारण (R): राजस्थानी चित्रकला में आधुनिक काल में यथार्थवाद (Realism) की प्रवृत्ति बढ़ी है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

wincompete

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 48 : कथन: उनियारा शैली (टोंक) का अध्ययन राजस्थान की चित्रकला में विशेष महत्व रखता है। *

निष्कर्ष 1: इस शैली में जयपुर और बूंदी शैली का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

निष्कर्ष 2: उनियारा शैली के मुख्य चित्रकारों में धीमा, मीरबख्श और रामलखन के नाम प्रमुख हैं।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 49 : आधुनिक चित्रकारों और उनके विषयों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) भूरसिंह शेखावत - गाँवों का चितेरा और देशभक्तों के चित्र।

B) जगमोहन माथोडिया - श्वानों (कुत्तों) का चितेरा।

C) रामगोपाल विजयवर्गीय - स्थिर निर्जीव वस्तुओं का चित्रण।

D) देवकी नंदन शर्मा - पशु-पक्षियों (विशेषकर मोर) का चितेरा।

प्रश्न 50 : चित्रकला से संबंधित विभागों और शैलियों के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. तस्वीरों रो कारखानो (चितेरों की ओवरी) - मेवाड़ शैली।
2. सूरतखाना - जयपुर शैली।
3. पोथीखाना - बीकानेर शैली। उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 51 : कथन (A): जयपुर की मीनाकारी कला को राजस्थानी हस्तशिल्प की 'आत्मा' माना जाता है।

कारण (R): मीनाकारी मूलतः फारस (ईरान) की कला है जिसे सवाई जयसिंह सीधे तेहरान से जयपुर लेकर आए थे।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 52 : जयपुर की ब्लू पॉटरी के ऐतिहासिक विकास और तकनीक के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

1. यह बिना किसी चिकनी मिट्टी (Clay) के प्रयोग के क्वार्ट्ज पाउडर और कांच के मिश्रण से तैयार की जाती है।
2. महाराजा मानसिंह प्रथम इस कला को फारस से लाहौर लेकर आए थे।
3. कृपाल सिंह शेखावत ने इसमें नीले और हरे रंगों का प्रयोग कर 'कृपाल शैली' विकसित की।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 3

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 2

D) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 53 : राजस्थान की पॉटरी कला और उनके प्रमुख केंद्रों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) ब्लू पॉटरी - जयपुर

B) ब्लैक पॉटरी - कोटा

C) कागजी (Double Cut) पॉटरी - बीकानेर

wincompete

D) सुनहरी पॉटरी - बीकानेर

प्रश्न 54 : प्रतापगढ़ की थेवा कला के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

1. इसमें रंगे हुए बेल्जियम कांच पर सोने की बारीक नक्काशी की जाती है।
2. इस कला के प्रवर्तक नाथूजी सोनी माने जाते हैं।
3. थेवा कला में कांच को पिघलाकर सांचों में ढालने की प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण है। *

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 55 : कथन (A): कोफ्तगिरी (Koftgiri) कला का उपयोग प्राचीन काल में युद्ध के अस्त्र-शस्त्रों को अलंकृत करने में किया जाता था।

कारण (R): कोफ्तगिरी कला में फौलाद की कठोर सतह को गहरा खोदकर उसमें सोने के तार भरे जाते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 56 : कथन: मोलेला (राजसमंद) की टेराकोटा कला अपनी विशिष्ट निर्माण तकनीक हेतु प्रसिद्ध है।

निष्कर्ष 1: इस तकनीक में मिट्टी की मूर्तियों को मजबूती प्रदान करने हेतु उसमें गधे के गोबर का मिश्रण किया जाता है।

निष्कर्ष 2: इस मिट्टी से बनी मूर्तियों का प्रयोग केवल सजावटी कार्यों में होता है, इनका कोई धार्मिक महत्व नहीं है। –

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 57 : छपाई कला (Printing) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सांगानेरी प्रिंट में सफेद पृष्ठभूमि का प्रयोग होता है, जबकि बगरू प्रिंट में मटमैली पृष्ठभूमि होती है।
2. बगरू प्रिंट में 'दाबू' तकनीक के तहत मिट्टी की लेई का प्रयोग कर रंग को रोका जाता है।
3. सांगानेरी प्रिंट को इसकी सूक्ष्मता के कारण 'कैलिको प्रिंटिंग' के नाम से भी जाना जाता है। –

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 and 3 तीनों सत्य हैं

प्रश्न 58 : वस्त्र कलाओं और उनसे संबंधित क्षेत्रों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? –

A) लहरिया - जयपुर

B) मोठड़ा - जोधपुर

C) जाजम और आज़म प्रिंट - बाड़मेर

D) अजरख प्रिंट - बाड़मेर

प्रश्न 59 : कथन (A): बाड़मेर का अजरख प्रिंट अपनी ज्यामितीय आकृतियों हेतु अद्वितीय माना जाता है।

wincompete

कारण (R): अजरख प्रिंट की प्रमुख विशेषता कपड़े के दोनों ओर (Double sided) की जाने वाली छपाई है। –

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 60 : कथन: जोधपुर का 'बादला' (Badla) मरुस्थलीय क्षेत्रों के लिए एक प्राचीन 'देसी थर्मस' के समान है।

निष्कर्ष 1: जस्ते (Zinc) की धातु से निर्मित इस पात्र पर कपड़े या चमड़े का आवरण चढ़ा होता है।

निष्कर्ष 2: बादला का निर्माण मुख्य रूप से मिट्टी को उच्च तापमान पर पकाकर किया जाता है। –

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 61 : मीनाकारी कला में 'लाल रंग' के प्रयोग के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य सर्वाधिक **उपयुक्त** है? –

A) यह केवल प्रतापगढ़ की थेवा कला का आधार है।

B) यह केवल जयपुर में संभव है और इसे मीनाकारी का सबसे कठिन कार्य माना जाता है।

C) लाल रंग के लिए केवल तांबे की धातु का आधार होना अनिवार्य है।

D) इसमें लाल रंग प्राप्त करने के लिए पारे (Mercury) का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 62 : कथन: राजस्थान की बंधेज कला में 'पोमचा' एक विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व वाला वस्त्र है।

निष्कर्ष 1: पीला पोमचा वंश वृद्धि (पुत्र जन्म) के अवसर पर जच्चा को भेंट किया जाता है।

निष्कर्ष 2: पोमचा का प्रयोग केवल अविवाहित बालिकाओं द्वारा ही किया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 63 : गोटा-पत्ती कार्य और राजस्थान की दरियों के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:--

1. खंडेला (सीकर) गोटा उद्योग का सबसे प्राचीन और प्रमुख केंद्र है।
2. गोटे के विभिन्न प्रकारों में लप्पा-लप्पी, किरण और 'बाड़मेरी' प्रसिद्ध हैं।
3. जोधपुर का सालावास गाँव दरियों के निर्माण हेतु विश्व प्रसिद्ध है।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3

D) केवल 1 और 2

प्रश्न 64 : चित्तौड़गढ़ के बस्सी की काष्ठ कला (Woodcraft) के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

1. प्रभातजी सुथार को इस कला का आदि पुरुष माना जाता है।
2. 'कावड़' लकड़ी से बना एक मंदिरनुमा ढांचा है जिसके कपाट खोलकर कथाएं सुनाई जाती हैं।
3. 'बेवाण' को 'चलत देव विमान' भी कहा जाता है जिसका प्रयोग जलझूलनी एकादशी पर होता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 and 3 तीनों सत्य हैं

wincompete

प्रश्न 65 : कथन (A): बीकानेर की उस्ता कला को 'मुनव्वत कला' भी कहा जाता है।

कारण (R): स्वर्गीय हिसामुद्दीन उस्ता को इस कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 66 : कथन: बस्सी की 'कावड़' को राजस्थान की **'भ्रामक मंदिर' (Illusionary Temple)** परंपरा का हिस्सा माना जाता है।

निष्कर्ष 1: कथावाचक जैसे-जैसे इसके कपाट खोलता है, वैसे-वैसे कथा के दृश्य और पात्र बदलते जाते हैं।

निष्कर्ष 2: कावड़ का निर्माण कागज के मोटे गत्तों की प्लेट्स पर नक्काशी करके किया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 67 : भीनमाल (जालौर) की 'मोजरियाँ' (Mojaris) के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:

निष्कर्ष 1: यहाँ की मोजरियाँ अपनी विशिष्ट कशीदाकारी के लिए प्रसिद्ध हैं।

निष्कर्ष 2: मोजरियाँ केवल ऊँट या भैंस की खाल से ही बनाई जा सकती हैं, गाय या अन्य किसी चमड़े का प्रयोग वर्जित है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 68 : हस्तशिल्प की विशिष्ट शब्दावली और उनके केंद्रों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) खेसला - लेटा गाँव (जालौर)

B) नमदे - टोंक

C) गोटा-पत्ती - खंडेला

D) पाव रजाई - जोधपुर

प्रश्न 69 : बंधेज कला की तकनीक के अनुप्रयोग के आधार पर 'मोठड़ा' को परिभाषित करने वाला **सही विकल्प** है:

A) जब कपड़े पर केवल छोटी-छोटी बिंदीदार डिजाइन बनाई जाती है।

B) जब लहरिया की आड़ी धारियाँ एक-दूसरे को क्रॉस करती हुई बनाई जाती हैं।

C) जब पूरे कपड़े को केवल एक ही रंग (लाल) से रंगा जाता है।

D) जब कपड़े के किनारों पर चांदी की बेल-बूटी टांकी जाती है।

प्रश्न 70 : थेवा कला की गोपनीयता के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या **सत्य** है? –

A) यह कला केवल परिवार की बहुओं को ही सिखाई जाती है।

B) यह कला केवल परिवार के पुरुषों तक सीमित है, बेटियों को भी नहीं सिखाई जाती।

C) यह कला राजकीय संस्थानों में सार्वजनिक रूप से सिखाई जाती है।

D) इस कला के रहस्यों को केवल 'भगत' समुदाय को ही बताया जाता है।

प्रश्न 71 : गोटा-पत्ती के प्रकारों और राजस्थान की दरियों के संदर्भ में **सत्य कथन** चुनें:

wincompete

1. लप्पा और लप्पी गोटे की लंबाई के आधार पर नाम दिए गए हैं।
2. गोटे की कम चौड़ाई वाले भाग को 'लप्पी' कहा जाता है।
3. सालावास (जोधपुर) और टांकला (नागौर) दरियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 1 और 2

C) केवल 2 and 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 72 : कथन (A): सांगानेर का हस्तनिर्मित कागज श्रेष्ठ होता है परन्तु कागज निर्माण में पेड़ो की लकड़ी का उपयोग किए जाने से पर्यावरण के अनुकूल नहीं होता है।

कारण (R): इसके निर्माण में लुगदी के साथ पुराने सूती कपड़ों और फूलों के अवशेषों का प्रयोग किया जाता है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 73 : काष्ठ शिल्प एवं अन्य विशिष्ट कलाओं के केंद्रों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) तीर-कमान - चंदूजी का गढ़ा (बांसवाड़ा)

B) रमकड़ा उद्योग - गलियाकोट (डूंगरपुर)

C) काठ का रैन बसेरा - चित्तौड़गढ़

D) कावड़ निर्माण - बस्सी (चित्तौड़गढ़)

प्रश्न 74 : बीकानेर की **'मथेरणा कला'** के संदर्भ में **सही तथ्य** की पहचान कीजिए:

A) यह ऊँट की खाल पर सोने की सूक्ष्म नक्काशी है।

B) यह गीली दीवार पर की जाने वाली धार्मिक भित्ति चित्रकारी (आला-गीला) है।

C) यह लकड़ी के खिलौने बनाने की एक प्राचीन विधि है।

D) यह तलवारों पर चांदी के तारों की जड़ाई की कला है।

प्रश्न 75 : हस्तनिर्मित कागज के विकास हेतु राजस्थान में स्थित प्रमुख संस्थान का नाम है: *

A) कृपाल सिंह शेखावत कला केंद्र।

B) कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तशिल्प संस्थान।

C) कैमल हाइड ट्रेनिंग सेंटर।

D) राजस्थान ललित कला अकादमी।

प्रश्न 76 : राजस्थानी पुरुषों के सिर के पहनावे (पगड़ी एवं साफा) के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:-

1. 'मदील' दशहरे के अवसर पर पहनी जाने वाली एक विशेष जरीदार पगड़ी है।
2. जोधपुर का 'मोठड़े का साफा' विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर पहना जाता है।
3. 'केसरिया पगड़ी' का प्रयोग मुख्य रूप से होली के उत्सव के दौरान किया जाता है।
   उपरोक्त में से कौन सा/से कथन **सत्य** है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 77 : कथन (A): 'बृजेस' (Brijes) राजस्थान का एक विशिष्ट पहनावा है जिसका प्रयोग पारंपरिक रूप से शिकार के समय किया जाता था।

कारण (R): यह वस्त्र मुगल काल में केवल दरबारी नर्तकों द्वारा पहना जाता था।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

wincompete

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 78 : राजस्थानी महिलाओं की ओढ़नी और वस्त्रों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) पीला पोमचा - पुत्र जन्म के अवसर पर जच्चा द्वारा धारण किया जाता है।

B) चीड़ का पोमचा - हाड़ौती क्षेत्र में विवाह के समय ओढ़ा जाने वाला लाल वस्त्र।

C) नांदणा - आदिवासी महिलाओं द्वारा प्रयुक्त प्राचीनतम वस्त्र।

D) कटकी - अविवाहित आदिवासी युवतियों की ओढ़नी।

प्रश्न 79 : कथन: राजस्थानी वेशभूषा में पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली **'अंगरखी'** के विभिन्न रूप प्रचलित हैं। *

निष्कर्ष 1: अंगरखी के अन्य नामों में तनसुख, गदर, मिर्जाई और डगला प्रमुख हैं।

निष्कर्ष 2: 'पछेवड़ा' ग्रीष्म ऋतु में लू से बचने के लिए पहना जाने वाला रेशमी बारीक कपड़ा है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 80 : जनजातीय वेशभूषा के विशिष्ट नामों और उनके अर्थों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) ढेपाड़ा - भील पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली तंग धोती।

B) कछावू - भील महिलाओं द्वारा घुटनों तक पहना जाने वाला घाघरा।

C) पीरिया - भील महिलाओं का विवाह का पीला वस्त्र।

D) खोयतू - भील पुरुषों द्वारा सिर पर बांधा जाने वाला कलात्मक साफा।

प्रश्न 81 : राजस्थान के पारंपरिक आभूषणों (मस्तक एवं कान) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:*

1. 'मेमंद' सिर पर पहना जाने वाला एक अत्यंत लोकप्रिय आभूषण है।
2. 'ओगनिया' कान के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला पत्तीनुमा आभूषण है।
3. 'बोरला' गले में पहना जाने वाला भारी लटकन वाला आभूषण है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 82 : कथन (A): राजस्थान में आभूषण धारण करने की परंपरा के पीछे सौंदर्य के साथ स्वास्थ्य विज्ञान के तर्क भी निहित हैं। *

कारण (R): राजस्थानी आभूषण में केवल लकड़ी और लाख के बने आभूषण ही होते हैं जो रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 83 : शरीर के अंगों और उनसे संबंधित आभूषणों के युग्मों में कौन सा **असंगत** है?*

A) नेवरी - पैर (टखना)

B) दामणा - हाथ की उंगलियाँ

wincompete

C) तिमणिया - गला

D) चूँप - नाक

प्रश्न 84 : कथन: राजस्थान के आभूषणों में 'चोंप' और 'चूँप' के मध्य सूक्ष्म अंतर पाया जाता है।

निष्कर्ष 1: 'चोंप' नाक का आभूषण है, जबकि 'चूँप' दाँत में सोने की मेख जड़वाने की कला है।

निष्कर्ष 2: 'चूँप' अनिवार्य रूप से केवल आदिवासी पुरुषों द्वारा ही धारण किया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 85 : आभूषणों की पहचान और उनके पहनने के स्थान के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) गोखरू - कलाई का आभूषण।

B) रखड़ी - सिर (मस्तक) का आभूषण।

C) सुरलिया - नाक की बाली का एक प्रकार।

D) अरसी - हाथ के अंगूठे की अंगूठी।

प्रश्न 86 : कथन (A): आदिवासी महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला 'नांदणा' राजस्थान का प्राचीनतम वस्त्र माना जाता है। *

कारण (R): इसमें नीले रंग की छींट का प्रयोग होता है और यह मुख्य रूप से भील जनजाति में प्रचलित है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 87 : कथन: 'आत्मसुख' (Atamsukh) राजस्थानी वेशभूषा का एक विशिष्ट अंग है। *

निष्कर्ष 1: यह तेज सर्दी में ओढ़ा या पहना जाने वाला रुईदार लंबा वस्त्र है जो अंगरखी के ऊपर पहना जाता है।

निष्कर्ष 2: अजमेर संग्रहालय में महाराजा माधोसिंह प्रथम का विशाल 'आत्मसुख' सुरक्षित है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

C) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 88 : पुरुषों के आभूषणों के संदर्भ में कौन सा विकल्प **असंगत** है? *

A) मुरकियाँ - कान।

B) बलैबड़ा - गला।

C) कड़ुल्या - उँगलियाँ।

D) छैलकड़ी - कान।

प्रश्न 89 : ओढ़नी के विभिन्न प्रकारों के संदर्भ में 'लहरिया' के बारे में क्या सत्य है?

1. सावन के महीने में मुख्य रूप से पहना जाता है।
2. जयपुर का 'प्रतापशाही' लहरिया प्रसिद्ध है।
3. लहरिया की धारियाँ जब एक-दूसरे को काटती हैं तो उसे 'बंधेज' कहते हैं।

A) 1, 2 और 3 तीनों सत्य हैं

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1और 2

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 90 : वेशभूषा से संबंधित शब्दावली और उनके अर्थ का कौन सा युग्म **असंगत** है?

A) तनसुख - अंगरखी का एक प्रकार।

wincompete

B) घूँघी - ऊन का बना वस्त्र जो वर्षा/सर्दी से बचाव हेतु ओढ़ा जाता है।

C) फालू - कमर पर बांधे जाने वाली तंग धोती।

D) पेचा - पगड़ी का चमकीला भाग।

प्रश्न 91 : गले के आभूषणों के संदर्भ में निम्नलिखित **कथनों** पर विचार कीजिए:*

1. 'हंसली' मुख्य रूप से छोटे बच्चों के गले में पहनाई जाती है।
2. 'कंठी' और 'गालवट' भी गले के ही आभूषण हैं।
3. 'तिमणिया' कमर पर पहना जाने वाला एक भारी आभूषण है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 92 : कथन (A): ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी 'पोतिया' और 'फालू' का प्रयोग देखा जाता है। *

कारण (R): ये दोनों ही आभूषण महिलाओं द्वारा मांगलिक अवसरों पर पहने जाते हैं।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 93 : पैरों के आभूषणों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प **असंगत** है?

A) कड़ा - पैर।

B) लंगर - पैर।

C) नौकरी - पैर।

D) झाँझर - पैर।

प्रश्न 94 [संशोधित]: कथन: 'कसुमल' रंग का राजस्थानी संस्कृति में विशेष महत्व है। *

निष्कर्ष 1: 'कसुमल' ओढ़नी मुख्य रूप से मांगलिक अवसरों और लोकगीतों में वर्णित लाल रंग की ओढ़नी है।

निष्कर्ष 2: यह रंग मुख्य रूप से केसर के फूलों से तैयार किया जाता है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 95 : कान के आभूषणों के समूह की **पहचान** कीजिए:

A) ओगनिया, सुरलिया, मेमंद।

B) झुमका, बाली, टोंटी, लूंग।

C) बोरला, टीका, रखड़ी, शीशफूल।

D) गोखरू, कंगन, पूँचिया, बंगड़ी।

प्रश्न 96 : कथन (A): 'बोरला' और 'रखड़ी' दोनों ही मस्तक के आभूषण हैं।

कारण (R): बोरला ललाट पर लटकता है जबकि रखड़ी उसके पीछे बालों के पास स्थिर रहती है।

A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

D) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 97 : अंगरखी के विभिन्न नामों और प्रकारों में कौन सा **असंगत** है? *

A) मिर्जाई।

B) डगला।

wincompete

C) काबा।

D) मदील।

प्रश्न 98 : बाजू और कलाई के आभूषणों के संदर्भ में विचार कीजिए:*

1. 'बट्टा' और 'हारपान' बाजू के आभूषण हैं।
2. 'गोंख' और 'चूड़ा' कलाई पर पहने जाते हैं।
3. 'पूँचिया' पैर के अंगूठे का आभूषण है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) 1, 2 और 3

D) केवल 1 और 3

प्रश्न 99 [संशोधित]: कथन: आदिवासियों की वेशभूषा में 'रेजा' और 'कछावू' का महत्वपूर्ण स्थान है।

निष्कर्ष 1: 'रेजा' सहरिया महिलाओं का विशेष वस्त्र है।

निष्कर्ष 2: 'कछावू' भील महिलाओं द्वारा घुटनों तक पहने जाने वाला घाघरा है।

A) केवल निष्कर्ष 1 निकलता है।

B) केवल निष्कर्ष 2 निकलता है।

C) निष्कर्ष 1 और 2 दोनों निकलते हैं।

D) कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता है।

प्रश्न 100 : सुमेलित कीजिए और **असंगत युग्म** का चयन कीजिए:

A) हाथ का अंगूठा - अरसी।

B) पैर का अंगूठा - फोलरी।

C) दाँत का आभूषण - चोंप।

D) नाक का आभूषण - वारी।

wincompete

wincompete